राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

संख्या–16/2025

प्रेस–विज्ञप्ति

अनुशासन ही एन०सी०सी० की पहचान है –राज्यपाल

पटना 04 फरवरी, 2025 :– माननीय राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खां ने एन०सी०सी० कैडेट्स के सम्मान में राजभवन के परिसर में आयोजित 'एट होम' कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि एन०सी०सी० की पहचान अनुशासन से है। अनुशासन का अभिप्राय अपने उपर नियंत्रण रखना तथा खुद को कुछ मर्यादाओं के साथ बांधकर रखना है। अनेक लोगों ने अपने–अपने अनुभव से धर्म को अलग–अलग ढंग से परिभाषित किया है, किन्तु सबसे बड़ा धर्म अनुशासन का पालन करना है। धर्म सभ्य समाज की आचार संहिता है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर का उद्देश्य युवाओं में चरित्रनिर्माण, अनुशासन, निःस्वार्थता, करूणा, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करना है। इसके अतिरिक्त इसका उद्देश्य जीवन के सभी क्षेत्रों में नेतृत्व के गुणों के साथ संगठित, प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं का एक समूह बनाना है, जो राष्ट्र की सेवा के प्रति समर्पित हों, चाहे वे किसी भी क्षेत्र में कार्य कर रहे हों। एन०सी०सी० बड़ी संख्या में युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के साथ–साथ इसके लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है।

राज्यपाल ने कहा कि एन०सी०सी० अपने उद्देश्यों को पूरा करने में समय की कसौटी पर खरा उतरा है और यह देश की वर्तमान सामाजिक–आर्थिक परिदृश्य में अपेक्षित आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय कैडेट कोर की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसने अपनी स्थापना के बाद से राष्ट्र निर्माण और सामाजिक सद्भाव में बहुत बड़ा योगदान दिया है। एन०सी०सी० हमारे देश के मूल्यों का प्रतीक है तथा इसके कैडेट्स ने मानवता, देशभक्ति और निःस्वार्थ सेवा के उच्च मूल्यों को स्थापित किया है। यह बेहद खुशी की बात है कि एन०सी०सी० हमारे युवाओं को भविष्य की जिम्मेदारियों और कल के नेतृत्वकर्ताओं के रूप में तैयार करने के अपने मिशन को प्रभावी ढ़ग से आगे बढ़ा रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि अपनी मिश्रित गतिविधियों के माध्यम से एन०सी०सी० ने हजारों युवा पुरुषों और महिलाओं को देश के जिम्मेदार, सतर्क, अनुशासित, मजबूत और अभिप्रेरित (Motivated) नागरिकों के रूप में तैयार करने के लिए प्रशिक्षित किया है तथा उनमें राष्ट्रीय एकता, धर्मनिरपेक्षता, नैतिकता और देशभक्ति के प्रति प्रतिबद्धता की भावना पैदा की है।

आगे पृष्ठ....2 पर

उन्होंने कहा कि एन०सी०सी० युवाओं के समग्र विकास हेतु निरंतर प्रयासरत है। यह उन्हें संस्थागत प्रशिक्षण प्रदान करता है जिसमें सेना, नौ सेना और वायु सेना के विषयों के बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण शामिल हैं।

राज्यपाल ने कहा कि एन०सी०सी० के कैडेट्स रक्तदान एवं साक्षरता, दहेज, कुष्ठ रोग, कन्या भ्रूण हत्या एवं नशा विरोधी कार्यक्रम, वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण, एच०आई०वी० जागरूकता, गाँवों को गोद लेना, स्वच्छता में सुधार (Improvement in health and sanitation), आपदा प्रबंधन, यातायात सामुदायिक पुलिसिंग जैसे सामुदायिक विकास कार्यक्रमों में भी सक्रिय भागीदारी निभाते हैं। वे अन्य देशों के वर्दीधारी युवा संगठनों के साथ युवा आदान–प्रदान कार्यक्रमों में भी भाग लेते हैं।

उन्होंने कहा कि एन०सी०सी० ने वर्ष 1948 में अपनी मामूली शुरुआत से लेकर अब तक एक लंबा सफर तय किया है। आज राष्ट्रीय कैडेट कोर एकता और अनुशासन के आदर्श वाक्य के साथ इक्कीसवीं सदी के नेतृत्व की चुनौतियों का सामना करने के लिए धीरे–धीरे आगे बढ़ रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि आज हम ऐसी दुनिया में रहते हैं जो तेजी से बदल रही है और आपस में जुड़ी हुई है। इसलिए यह स्वाभाविक है कि हमारे युवा समाज की बेहतरी के लिए निरंतर प्रयासरत रहें। आज के युवा न केवल जागरूक हैं और खुद को व्यक्त करने के लिए आगे आ रहे हैं, बल्कि अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए हमारी राजनीति और समाज को आकार देने में मदद करने के लिए भी तैयार हैं।

राज्यपाल ने देश के युवाओं से अपील की कि वे एन०सी०सी० में शामिल हों और सौहार्द्र, रोमांच एवं अनुशासन का जीवन जीने के साथ–साथ एक बेहतर नागरिक बनकर देश एवं समाज के उत्थान में अपना बहुमूल्य योगदान करें।

समारोह में बिहार एवं झारखंड की लोक संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये गये। इस अवसर पर राज्यपाल ने इंटर ग्रुप चैम्पियनशिप ट्रॉफी एवं गवर्नर्स बैनर प्रदान किया। उन्होंने भारत की सैन्य शक्ति के विकास से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

इस अवसर पर माननीय उप मुख्यमंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री रॉबर्ट एल० चोंग्थू, बिहार एवं झारखंड सब एरिया के जी०ओ०सी० मेजर जनरल विकास भारद्वाज, एन०सी०सी० बिहार एवं झारखंड के ए०डी०जी० मेजर जनरल ए०एस० बजाज, आई०बी०, पटना विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो० अजय कुमार सिंह, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो० शरद कुमार यादव सेना, एन०सी०सी०, राज्य सरकार एवं राजभवन के पदाधिकारीगण एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

.....